

Shri Jawaharlal Nehru: It is very difficult for me to say whether we can hope this way or that way. But, long ago, when I met the then Prime Minister of Ceylon, Mr. Senanayake, it was suggested that both Governments should facilitate the acquisition of the respective nationalities; that is, the Ceylon Government should do that and our Government should also proceed in that way. But that did not result in any major change because though most of the people applied to the Ceylon Government then, their applications were rejected, and in the case of those that applied to us some of them were rejected, the effect being that a great majority of the population remained unaffected by this. That is the position now.

Shri D. C. Sharma: May I know whether the same view is held by other organisations in Ceylon which represent Indians domiciled in Ceylon like the Federal Tamil Party and others? Have their Presidents and Secretaries spoken something to confirm this?

Shri Jawaharlal Nehru: Which organisation is the hon. Member referring to? There are two major labour organisations there which concern themselves with the Indian estate labourers there. The other organisations would probably be—I do not know—some non-labour organisations.

सैनिक गुप्तवार्ता निदेशालय

*४४५. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सैनिक गुप्तवार्ता निदेशालय को पहले से और अधिक सक्रिय बनाने के सम्बन्ध में क्या प्रगति हुई है ;

(ख) क्या नेफा और लद्दाख की असफलताओं के लिये जिम्मेदार कुछ अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सेवा से अलग

कर दिया गया है अथवा अन्य विभागों में स्थानान्तरित कर दिया गया है ; और

(ग) क्या भारतीय सैनिकों को विदेशी भाषाओं विशेषकर चीनी और रूसी भाषा पठाने के लिये कोई अन्य नई व्यवस्था की गई है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बा० रा० चह्वान) : (क) यह निश्चित करने के विचार से, कि आसूचना बहुरंग से समाकलित की जा सके, और उसके महत्व का अच्छे ढंग से आंकलन किया जा सके, सैनिक आसूचना निदेशालय को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिये पग उठाए गए हैं। निदेशालय के अफसरों में लगभग ५० प्रतिशत वृद्धि की गई है।

(ख) उत्तर-पूर्वी सीमा क्षेत्र तथा लद्दाख में कार्य निष्पादन के लिये न तो किसी अफसर को भेजा गया है, न ही तब्दील किया गया है। तदार्थ असंतोषजनक कार्यनिष्पादन के लिये एक अफसर को ब्रिगेडियर से ले० करनल पदावनत कर दिया गया है।

(ग) विदेशी भाषाओं सिखाने के लिये नई दिल्ली के, विदेशी भाषाओं के स्कूल में प्राप्य, वर्तमान सुविधाओं के अतिरिक्त, सैनिक शिक्षा स्कूल पंचमढ़ी में एक भाषापक्ष की वृद्धि की गई है तथा सेवाओं के कई अफसरों को चीनी भाषा सिखाने के लिये बाहर भेजा गया है। रूसी भाषा सिखाने के लिये कोई नए प्रबन्ध नहीं किये गये हैं।

[(a) Steps have been taken to strengthen the Military Intelligence Directorate with a view to ensure better collation, evaluation and assessment of intelligence. The number of officers in the Directorate has been increased by about 50 per cent.

(b) No officer has either been removed from service or transferred out of the Army on the basis of his performance during the operations in

NEFA and Ladakh. One officer has however, been reverted from the rank of Brigadier to Lt.-Col. for unsatisfactory performance.

(c) In addition to the existing facilities available in the School of Foreign Languages in New Delhi for teaching foreign languages, a Language Wing has been added to A.E.C. School, Pachmarhi, and a number of Service officers have been sent abroad for learning Chinese. No new arrangements have been made for teaching Russian language.]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : नेफा जांच की रिपोर्ट में रक्षा मंत्री जी ने जो वक्तव्य पीछे संसद में दिया था, उसके पांच पैराग्राफ थे जिनमें वर्णन था कि मिलिट्री इंटेलीजेंस ने कहां और किस किस तरह से कमजोरी दिखाई। परन्तु इतना सब कुछ होते हुए भी इस मिलिट्री इंटेलीजेंस डायरेक्टोरेट के जो सबसे बड़े अधिकारी हैं, उनको क्या प्रमोशन दिया गया है? यदि हां, तो यह बात कहां तक उचित थी, इस रिपोर्ट के आने के बाद?

प्रधान मंत्री, वैदेशिक-कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): माननीय सदस्य शायद चर्चा कर रहे हैं उसकी जो रक्षा मंत्री ने नेफा के मामले में कहा था। आम तौर से उनका जो इंटेलीजेंस होता है वह हिन्दुस्तान के बाहर कुछ काम नहीं करता है शांति के जमाने में। लड़ाई के जमाने में जो कुछ कर सके, करे। दिक्कत होती है वैसा करने में। मुझे यह नहीं मालूम जो आपने कहा कि एक अफसर की तरक्की हुई है। मुझे इसका कुछ इल्म नहीं है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरा सीधा सा प्रश्न यह था कि जब गवर्नमेंट इस बात को स्वीकार करती है कि मिलिट्री इंटेलीजेंस फेल रहा नेफा में इस लड़ाई के समय में, तो मिलिट्री इंटेलीजेंस डिपार्टमेंट के जो डायरेक्टर थे, क्या यह सही है कि उनकी ब्रिगेडियर से मेजर जनरल बनाया गया?

प्रध्यक्ष महोदय : उन्होंने जवाब तो दे दिया है कि उनको इसका इल्म नहीं है कि किसी अफसर को तरक्की दी गई है।

The Minister of Defence Production in the Ministry of Defence (Shri Raguramaiah): The Brigadier who has been reduced in rank . . .

Mr. Speaker: Not that. He says that the Officer who was in-charge of that and was responsible for all those lapses has been promoted.

Shri D. R. Chavan: We have no information at present. I want notice for that.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं जानना चाहता हूँ कि भारत वर्ष में चीनी भाषा सिखाने के लिये कितने स्कूल हैं और उनमें कितने चीनी अध्यापक काम कर रहे हैं? उनको हटा कर उनके स्थान पर भारतीयों को जो चीनी भाषा के जानकार हैं, रखने की क्या कोई व्यवस्था की जा रही है?

श्री दा० रा० चव्हाण : मैंने अभी जवाब में कह दिया है कि एक स्कूल है दिल्ली में फारेन लैंग्वेजिज स्कूल। उसके अलावा एक लैंग्वेज विंग ओपन किया है पंचमढ़ी में और उसमें तिब्बतन और चीनी लैंग्वेजिज सिखाने के लिये बगदोबस्त किया गया है। कई अफसरों को बाहर भेजा गया है कुछ कंट्रीज में चीनी लैंग्वेज सिखाने के लिये।

प्रध्यक्ष महोदय : उनका कहना है कि यहां जो चीनी उस्ताद काम कर रहे हैं, उनको हटा कर उनकी जगह हिन्दुस्तानी उस्तादों को रखने का कोई ख्याल है?

श्री जवाहरलाल नेहरू : महज चीनी होने पर तो किसी को निकाला नहीं जाता जब तक कोई और इत्तिला न हो कि वे कोई गलत काम कर रहे हैं। मुझे मालूम नहीं है कितने ऐसे लोग चीनी सिखा रहे हैं या नहीं सिखा रहे हैं। यह दरियाफ्त करने की बात है।

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस व्यक्ति के द्वारा उनकी नियुक्ति हुई है, उसका एक लड़का, चीनी ग्रामी में बहुत बड़ा अफसर है। फिर उनके द्वारा जो नियुक्ति होगी, वे लोग यहाँ फिफ्थ कालमिस्ट का काम नहीं करेंगे, यह कैसे सम्भव हो सकता है ?

Shri Hari Vishnu Kamath: Is it a fact that among the major contributory causes of the disgraceful debacle last year was the fact that in the previous years the Directorate of Military Intelligence, rather what little intelligence there was, was bedevilled and its work gravely imperilled by the presence inside the organisation of pro-Communist, particularly pro-Chinese elements and the Directorate itself was misdirected by some pro-Chinese bosses higher up and, if so, have such anti-national elements been eliminated? Is the Government in a position to assure the House that there are neither pro-China nor pro-Pakistan elements now in the Directorate of Intelligence.

Shri Jawaharlal Nehru: We have no information on the subject of what the hon. Member is saying. We do not keep in Intelligence any person who is anti-national whoever he might be.

Shri Hari Vishnu Kamath: Your intention may be good . . .

Shri Jawaharlal Nehru: If the hon. Member has any particular information, he should kindly convey it to me.

Shri Hari Vishnu Kamath: In every department there are cells.

श्री यशपाल सिंह : क्या यह सही है कि हमारे होम डिपार्टमेंट में एक मिसल ऐसी चल रही है कि शांतिनिकेतन में चीनी लैंग्वेज पढ़ाने के लिए जो हैड आफ दि डिपार्टमेंट हैं, उनका बेटा चीन की फौज में ब्रिगेडियर है और वह यहाँ पब्लिक सर्विस कमिशन में भी आते हैं? अगर इस तरह की

मिसल चल रही है तो सरकार ने क्या एक्शन लिया है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : किस के खिलाफ एक्शन ? उनका बेटा जो चीन में है ?

श्री यशपाल सिंह : जो हैड आफ दि डिपार्टमेंट हैं शांति निकेतन में उनके खिलाफ ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : शांति निकेतन में जो चीनी भवन है, उसके जो डायरेक्टर हैं, वह बहुत बरसों से वहाँ हैं कोई पन्द्रह बीस से और शायद उससे भी ज्यादा से। उनकी हम बहुत इज्जत करते हैं और उन पर बहुत भरोसा है। मुझे मालूम नहीं है कि उनका बेटा वहाँ चीन में क्या है।

श्री यशपाल सिंह : उनके खिलाफ जो फाइल चल रही है, वह भी बता दीजिये।

अध्यक्ष महोदय : अगर चल रही है . . .

श्री कछवाय : फाइल है भी, उनके खिलाफ ?

Shri S. M. Banerjee: I would like to know whether it is a fact that the letters received from the Government of China are only translated by a Chinese who is in the School of Foreign Languages and that there is no other source to have the translation by an Indian. Is it a fact?

Shri Jawaharlal Nehru: I can't say what is translated by whom. We have, I believe, a number of persons knowing Chinese in the External Affairs Ministry.

Mr. Speaker: He says, he does not know whether all the letters received from China are being translated only by some Chinese and not by Indians.

Shri Jawaharlal Nehru: No . . .

Shri S. M. Banerjee: My point is this. There was an allegation that the Chinese letters are translated by the Chinese and the news is known to the Chinese Embassy first. They

know much better than what we know.

Shri Kapur Singh: We have no qualified non-Communists.

Shri Jawaharlal Nehru: I can't say how a particular letter was translated. I know that there are a number of well-qualified Indians who know Chinese in the External Affairs Ministry.

Shri Sham Lal Saraf: The Intelligence Bureau stationed in Jammu and Kashmir is not supposed to work for civilian intelligence, and it is stated that it is working for military intelligence. May I know, if it be a fact, whether they are working in the rear of the army or where?

Shri Jawaharlal Nehru: Who?

Mr. Speaker: They are working in Jammu and Kashmir.

Shri Tyagi: Is it in the public interest to divulge the information as to where our intelligence is?

Mr. Speaker: Order, order. Should I say or should Mr. Tyagi say that this is in the public interest? Some Minister might say it.

Shri Tyagi: Ministers must have at least this much intelligence!

Mr. Speaker: Order, order.

Shri Jawaharlal Nehru: May I add in connection with the question of translation of Chinese notes? Usually, we get a note from the Government of China. An English translation is attached to it by the Chinese Government or their Embassy. That is checked in our Ministry. Their translation is the original.

Shri S. C. Samanta: Is it not a fact that for the benefit of advanced students, a magazine is going to be published from the department and, if so, may I know in which languages it will be published?

Shri D. R. Chavan: Defence department?

Mr. Speaker: Is it relating to the Defence department?

Shri S. C. Samanta: Yes, Sir.

Shri D. R. Chavan: We are publishing Sainik Samachar in several languages.

Shri Indrajit Gupta: In view of the experience that we had last year during the NEFA campaign, I would like to know whether this Directorate of Military Intelligence is henceforth going to be made the principal agency dealing with intelligence or is the former reliance on the Central Intelligence Bureau of the Home Ministry going to be continued?

Shri Jawaharlal Nehru: I must say, Sir, that I sympathise with the hon. Member, Shri Tyagi. We cannot go into details as to how we carry on our intelligence. The very idea of intelligence should be secret.

Shri Swell: With reference to the effectiveness of our Military Intelligence, is it a fact that recently a number of contractors working in NEFA under the border roads organisation were removed from their contract because they were found to be spies and whether the Military Intelligence is seized of this matter of the existence of spies amongst contractors working in border areas?

Shri Jawaharlal Nehru: I do not know anything about this. But, even according to what the hon. Member says, the Military Intelligence must have removed them because they have been watching this.

Shri Bade: On a point of order. In Part (a) of the main question Shri Prakash Vir Shastri has asked whether . . .

Mr. Speaker: After that, about half a dozen questions have been asked.

Shri Bade: Part (a) of the main question has not been replied to. I thought that some light will be thrown on it.

Mr. Speaker: About half a dozen questions have been put after that. Now, I cannot allow the hon. Member to go back.

Shri Bade: I want your protection in this respect because the House has been kept in the dark.

Mr. Speaker: Rather, I want protection from the hon. Member that he may kindly resume his seat.

Shri Bade: My request may be granted . . .

Mr. Speaker: There is no question of any request now. After that question, several other questions have been put. I cannot go back now.

Jute Wage Board

+

*446. { **Shri S. M. Banerjee:**
Shri Umanath:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri Sham Lal Saraf:
Shri Dinen Bhattacharya:

Will the Minister of Labour and Employment be pleased to state:

(a) whether the recommendations of the Jute Wage Board have been implemented by all the Jute Mills; and

(b) if not, the number of those which have not implemented the same?

The Deputy Minister in the Ministry of Labour and Employment (Shri R. K. Malviya): (a) and (b). Implementation of the recommendations is in progress. Reports are awaited from the concerned State Governments.

Shri S. M. Banerjee: May I know whether it is a fact that the recom-

mendations of the wage board, including the recommendation for interim relief have not been implemented in any of the jute mills in UP, and if so, what action has been taken by Government to see that the report is implemented?

Shri R. K. Malviya: The information is that the recommendation for interim relief has been implemented in all the mills throughout the country. So far as the other recommendations are concerned, we are still awaiting the reply of the State Government, and then we shall know the position.

Shri S. M. Banerjee: I have confined my question to my State, and not extended it to cover the whole country. May I know whether it is a fact . . .

Mr. Speaker: The Deputy Minister has said that the report has been asked for from the UP Government. That is being awaited. As soon as that arrives, then Government would have the information.

Shri S. M. Banerjee: In case the wage board recommendations are not accepted and implemented by the employers, may I know whether Government contemplate to bring forward legislation?

Shri R. K. Malviya: That stage has not come yet. If that is required, that will be considered.

Shri Umanath: Is it a fact that the Indian Jute Mills Association has sent a circular to all its member mills to implement the recommendations, and if so, which are the mills which are members of this association and which have not yet implemented the recommendations, and has any action been taken against the association or against such of those member mills as have not implemented the recommendations?

The Minister of Supply (Shri Hathi): May I submit that the recommendations of the wage board were published only recently? They gave their recommendations on 27th Sep-